कर लो अब इरादा श्रीमत पर ही चलने का।

मौका मन नहीं पाए माया के वश मचलने का।

चल पड़ो हाथों में लेकर परिवर्तन की मशाल।

जीवन से विकारों को देना है पूरा ही निकाल।

छोटी बातों में मत उलझो दिल रखो विशाल।

सामने आने वाली है समस्याएं बड़ी विकराल।

कौन क्या करता है इसका नहीं करो ख्याल।

सुधारते जाओ खुद को लेकर ड्रामा की ढाल।

ज्ञान के अस्त्र शस्त्रों से माया को करो निढाल।

ज्ञान योग के बल से काटो माया का हर जाल।

श्रीमत पर चलते चलते जीवन बनेगा खुशहाल।

ॐ शांति